विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2025

विश्व पर्यावरण दिवस इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है।

2025 में, विश्व पर्यावरण दिवस की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना" (End Plastic Pollution) है। यह थीम इसलिए चुनी गई है क्योंकि प्लास्टिक प्रदूषण आज दुनिया की सबसे बड़ी पर्यावरणीय समस्याओं में से एक है। प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और निपटान पर्यावरण को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रहा है, और इस समस्या से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का वैश्विक अवलोकन कोरिया गणराज्य में होगा। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) इस दिन को मनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। इसकी शुरुआत 1973 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए की गई थी। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में और 1973 से हर साल आयोजित होने वाला यह दिवस पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का सबसे बड़ा वैश्विक मंच बन गया है। इसे दुनिया भर में लाखों लोग मनाते हैं।विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। । इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जैसे वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए गोष्ठी। हर साल एक अलग विषय चुना जाता है, जो पर्यावरण के सामने आने वाली किसी खास चुनौती पर फोकस करता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारा एकमात्र आवास है और इसका संरक्षण करना हमारा सामूहिक दायित्व है।

1972 में हुए संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन के बाद 1973 से प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण के मुद्दों पर वैश्विक जागरूकता बढ़ाना और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई जैसी समस्याओं से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों को बल दिया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर साल एक विशेष थीम

चुनी जाती है, जो किसी खास पर्यावरणीय मुद्दे पर चर्चा को बढ़ावा देती है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि हम प्रकृति के संरक्षक हैं और एक स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है।

पर्यावरण के महत्व को रेखांकित करने के लिए हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन के बाद 1973 में हुई थी। इस दिवस के ज़रिए पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में कमी जैसी समस्याओं पर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर साल एक अलग विषय चुना जाता है, जो किसी खास पर्यावरणीय चुनौती पर फोकस करता है। इस दिवस पर वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, जागरूकता कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस हमें संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की याद दिलाता है, जिनमें गरीबी उन्मूलन, जलवायु परिवर्तन का मुकाबला, स्वच्छ जल और स्वच्छता, टिकाऊ उत्पादन और खपत शामिल हैं। ये लक्ष्य हमें एक ऐसे भविष्य की ओर ले जाते हैं जहाँ पर्यावरण और विकास साथ-साथ चल सकें।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन के बाद 1973 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा की गई थी। इस दिवस के ज़रिए पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में कमी जैसी गंभीर समस्याओं पर वैश्विक चर्चा को बढ़ावा दिया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस हमें संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की याद दिलाता है। ये लक्ष्य हमें एक ऐसे भविष्य की ओर ले जाते हैं जहाँ पर्यावरण और विकास में संतुलन हो। इन लक्ष्यों में गरीबी उन्मूलन, जलवा वायु परिवर्तन का मुकाबला, स्वच्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित करना, टिकाऊ उत्पादन और खपत को बढ़ावा देना आदि शामिल हैं। विश्व पर्यावरण दिवस हमें सिर्फ एक दिन पर्यावरण के बारे में सोचने के लिए नहीं, बल्कि हर दिन पर्यावरण के प्रति सचेत रहने और उसे बचाने के लिए ज़िम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। हम छोटे-छोटे कदम उठाकर, जैसे कम पानी और बिजली का इस्तेमाल करना, कचरे को कम करना और उसका पुनर्चक्रण करना, पौधे लगाना, वाहनों का कम इस्तेमाल करना आदि, पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने में योगदान दे सकते हैं। यह पृथ्वी हमारा एकमात्र आवास है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे बचाना हमारा सामूहिक दायित्व है।

I